



Dated: 10.04.2017

All India Institute of Medical Science (AIIMS), Raipur

Department of Otolaryngology-Head and Neck Surgery and Department of Anatomy, AIIMS Raipur in collaboration with Association of Otolaryngologists of India, Raipur, Chhattisgarh organized a Cadaveric Hands-on Workshop on Neck Dissection, Thyroid and Parotid Surgeries on **7th and 8th April, 2017** at the Institute.

Prof. (Dr.) S C Sharma, Professor, Department of Otolaryngology-Head and Neck Surgery from AIIMS New Delhi, Prof. (Dr.) Vipin Arora, Professor, from UCMS, Delhi and Dr. Jagdeep Thakur from IGMC, Shimla were the Guest Faculty members in the above workshop. There were 100 participants along with various prominent personalities from different regions participated in the workshop.

Lecture sessions on **7th April, 2017** and live workshops on the following topics were delivered on **8th April, 2017**:

1. Concurrent live session- Laryngectomy and Local flaps
2. Concurrent live session- Free flaps

Closing ceremony cum Valedictory function of the above workshop was ended up by the vote of thanks by Prof. (Dr.) Nitin M. Nagarkar, Director, and HoD, ENT-HNS, AIIMS Raipur and Organizing Chairman, Dr. D K Sharma, Prof., D/o of Anatomy, AIIMS Raipur and Co-Organizing Chairman and Dr. Ripudaman Arora, Asst. Prof., D/o of ENT-HNS, AIIMS Raipur and Organizing Secretary of this workshop. Dr. Soumitra Trivedi, Asst. Prof., Dr. Lokesh Kumar Singh, Asso. Prof., Dr. Rupa Mehta, Asst. Prof. from AIIMS Raipur and Dr Rakesh Gupta, Secretary, Association of Otolaryngologists of India and Reception Committee Chairman were also present in the workshop.

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर द्वारा 7 एवं 8 अप्रैल 2017 को कार्यशाला का आयोजन किया गया।

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर के ईएनटी एवं एनॉटामी विभाग सहित एसोसियेशन ऑफ ऑटोलेरिजियोलॉजी ऑफ इंडिया के रायपुर शाखा के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 7 एवं 8 अप्रैल 2017 को चिकित्सा महाविद्यालय प्रांगण, एम्स रायपुर में किया गया।

इस कार्यशाला के द्वारा मृतक शरीर में थायरॉइड, पैरोटिड, गले की डिसेक्शन, फोरहेड प्लैप, लैरिंजेक्टॉमी, पेक्टोरेलिस मेजर प्लैप, रेडियल फोरआर्म फ्री प्लैप इत्यादि की डिसेक्शन किया गया। इस कार्यशाला में 100 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया जिसमें से 32 लोगों ने मृतक शरीर में थायरॉइड, पैरोटिड और गले के कैंसर की सर्जरी किया एवं प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस कार्यशाला में उपस्थित वरिष्ठ डॉक्टरों, सीनियर एवं जूनियर डॉक्टरों को उनके दैनिक ओ.पी. डी. में आने वाले थायरॉइड, पैरोटिड, मुंह एवं गले के कैंसर के मरीजों को लाभ होगा। जिससे आने वाले दिनों में छत्तीसगढ़ सहित निकट के राज्यों के जनसामान्य को इससे संबंधित रोगों के निदान में लाभदायक होगी।

कार्यशाला के आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर व निदेशक एम्स, रायपुर तथा सचिव, डॉ. रिपुदमन अरोरा, सहायक प्राध्यापक, ईएनटी विभाग, एम्स रायपुर ने बताया कि इस कार्यशाला में मेहमान संकाय सदस्यों के तौर पर व्याख्यान देने आये एम्स, नई दिल्ली के प्रो. (डॉ.) एस.सी. शर्मा ने डॉ. जे.पी.निगम ओरेशन में पैरोटिड नियोप्लाज्म के निदान व प्रबंधन विषय पर चर्चा की। इसके अतिरिक्त प्रो. (डॉ.) विपिन अरोरा, डॉ. जगदीप ठाकुर, डॉ. डी.के शर्मा, डॉ. विकास गुप्ता, डॉ. धीरेन्द्र सुमन तथा डॉ. हितेश वर्मा ने विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी।

कार्यशाला आयोजन समिति में प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर, आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं निदेशक, एम्स, रायपुर, डॉ. डी.के.शर्मा, आयोजन समिति के उपाध्यक्ष, डॉ. रिपुदमन अरोरा, आयोजन समिति के सचिव, डॉ. सौमित्र त्रिवेदी, डिसेक्शन कोर्स डायरेक्टर, डॉ. लोकेश सिंह, कोषाध्यक्ष, डॉ. राकेश गुप्ता, रिसेप्शन कमेटी चेयरमेन तथा डॉ. रूपा मेहता, साईंटिफिक कमेटी के चेयरमेन शामिल थे।